मानवतावाद

✓ "मानवतावाद मानव स्वभाव एवं मानव दृष्टिकोण को महत्व देता है। प्राचीन मानवतावादियों के अनुसार मानव की बुद्धि, तर्क एवं विवेक शक्तियाँ स्थिर एवं अपरिवर्तनशील है, जबकि आधुनिक मानवतावाद के अनुसार बुद्धि, तर्क एवं विवेक में परिवर्तन किया जा सकता है।" - बूबेकर।

✓ मानवतावाद लैटिन भाषा को 'ह्यूमो' से लिया गया है।

✓ मानवतावाद की विशेषताएं :- 1. संसार सत्य है, सांवेगिक क्रियाओं से भरा है।
2. मनुष्य सर्वाधिक शक्तिशाली है। 3. मनुष्य सबसे सुन्दर है।
4. मानव की सेवा करने हेतु मानवता का जन्म हुआ।
5. मानव जीवन असीम संभावनाओं से भरा है।
6. मानव जीवन में शिवम् एवं सुन्दरम् जैसे चिंतन मूल्य विद्यमान है।
7. शान्ति, प्रगति एवं जनतंत्र मानवता के आधार है।

✓ मानववादी शिक्षा के उद्देश्य :- 1. ऐसे मानव तैयार करना, जो सांवेगिक भावनाओं से भरे हुए हो।
2. मनुष्य में सृजनता एवं श्रेष्ठता का विकास करना।
3. सहिष्णुता का विकास करना। (4) सामाजिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता।
(5) विवेक एवं गतिशीलता का विकास (6) सृजनात्मकता, विचार सम्प्रेषण, एवं सामाजिक गुणों का विकास करना।

✓ मानववादी पाठ्यक्रम :- (1) मानवीय विषय (2) प्राकृतिक विज्ञान
(3) राष्ट्रीय आवश्यकतानुसार

Scanned with CamScanner